

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग
(संग्रहालय निदेशालय)

भागलपुर संग्रहालय, भागलपुर



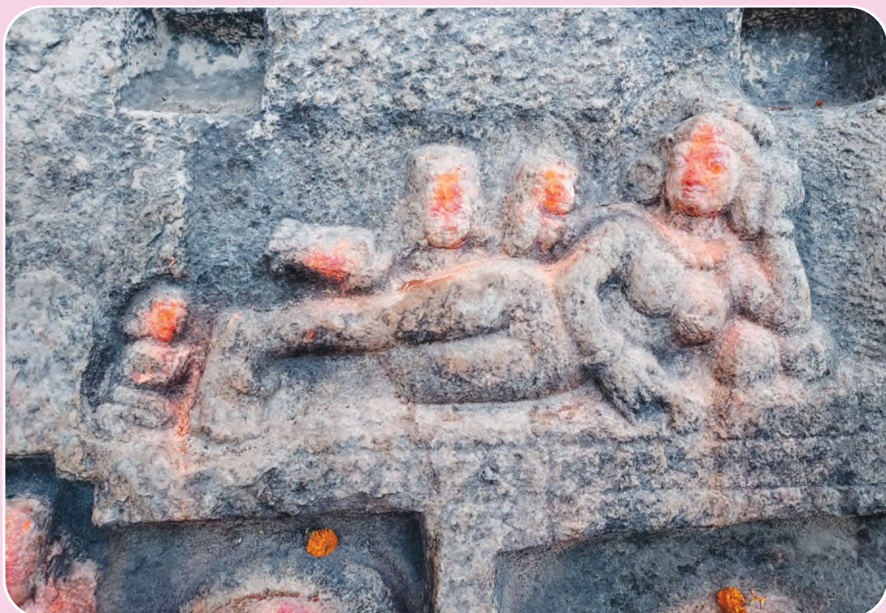
सुल्तानगंज के मुरली पहाड़ एवं अजगैबीनाथ पहाड़ पर उत्कीर्ण देव प्रतिमाएँ





डॉ. शिव कुमार मिश्र





सुल्तानगंज के मुरली पहाड़ एवं अजगैबीनाथ पहाड़ पर उत्कीर्ण देव प्रतिमाएँ

धार्मिक दृष्टि से अत्यंत ही प्रसिद्ध तीर्थस्थल भागलपुर जिला के सुल्तानगंज प्रखण्ड के मुरली पहाड़ का अवलोकन किया गया। इस क्रम में पाया गया कि मुरली पहाड़ के पश्चिमी भाग स्थित तीन बड़े-बड़े शिलाखंडों पर सनातन धर्म की देवी-देवताओं की प्रतिमाएँ उत्कीर्ण कर बनाया गया है। इन मूर्तियों को उकेरने का समय गुप्तकाल माना जा सकता है। कुछ मूर्तियों के नीचे अभिलेख भी उत्कीर्ण हैं। इसका समय भी वही प्रतीत हो रहा है। इन मूर्तियों एवं अभिलेखों से ऐसा जान पड़ता कि गंगा नदी उस समय भी यहाँ से कुछ दूरी पर बहती रही होगी। बीस साल पहले गंगा नदी अजगैबीनाथ शिव मंदिर एवं सुल्तानगंज शहर के बीच बहती थी। उस समय ये शिलाखंड पानी में डूबे हुए थे। जैसे ही पानी का बहाव दूर हुआ ये शिलाखंड एवं उन पर उकेरी गई मूर्तियाँ प्रकाश में आने लगी। इन शिलाखंडों के ऊपर जो पहाड़ी है उसके शीर्ष पर मस्जिद बनी हुई है। लेकिन पहाड़ी पर पुराने ईंटों से निर्मित निर्माण कार्य के भी अवशेष दिखते हैं।

मुरली पहाड़ की तरह ही अजगैबीनाथ मंदिर की शिलाओं पर भी हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियों को उकेरी गई है। इनमें विष्णु, सूर्य, शिव, अर्द्धनारीश्वर, गणेश, देवी, महिषमर्दिनी, सद्योजात, उमा- महेश्वर आदि की मूर्तियाँ प्रमुख हैं। इसके अलावा बुद्ध, नवग्रह, महिषासुरमर्दिनी, गणेश, सिंहवाहिनी दुर्गा आदि की प्रतिमाएँ भी हैं। मुरली पहाड़ के शिलाखंडों पर कुछ अभिलेख भी हैं जिनमें रुद्रपद के नीचे **रुद्रमपा** उत्कीर्ण है तो दूसरे स्थान पर **सालगाम** अथवा **सालग्राम** अंकित है। एक शिला पर **कुमारस्य** तथा एक अन्य पर दो पंक्ति में **उधनराज** तथा नीचे **भार्यकस्य** अंकित हैं। ये अभिलेख उत्तर ब्राह्मी लिपि तथा संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण हैं। इन अभिलेखो का समय पांचवी-छठी शताब्दी ई. माना जा सकता है।

मुरली पहाड़ के सबसे ऊपर की शिलाखंड पर (115 x 152 से.मी.) आकार का एक चित्र है जिसकी पहचान कठिन है। उसके नीचे वाले शिलाखंड पर सबसे ऊपर सूर्य एवं विष्णु (95 x 85 से.मी.) है तो उनके नीचे दुर्गा (52 x 30 से.मी.), कार्तिकेय (54 x 30), एकपाद शिव (53 x 34), महिषमर्दिनी (53 x 30) तथा विष्णु (47 x 27 से.मी.) अंकित हैं। तीसरे एवं सबसे नीचे वाले शिलाखंड पर बायीं से उमा-महेश्वर (67 x 57), विष्णु (59 x 28) जिसके नीचे में अभिलेख (20 x 6), उमा-महेश्वर तथा देवी (88 x 125) जिनके नीचे में दाता या भक्त तथा उसके नीचे में दो पंक्ति के अभिलेख (13 x 8) अंकित है। शिला

को काटकर शिव (85 x 55) एवं सूर्य (92 x 44) को बनाया गया है। दोनों समपाद स्थानक मुद्रा में खड़े हैं। इसके बाद रूद्रपद (25 x 26) तथा नीचे में अभिलेख (25 x 7) है । फिर विष्णु (50 x 37), फिर दूसरे विष्णु (46 x 21) हैं। जिनका वक्ष से ऊपर के भाग ही बनाए गए हैं। फिर सूर्य (39 x 23), विष्णु (122 x 80), शिव (55 x 34), विष्णु (76 x 47), देवी (36 x 22), सद्योजात (67 x 180), देवी (67 x 26), देवी (50 x 34) फिर सबसे दाहिने तीन देवों के सिर (56 x 109 से.मी.) उकेरी गई है।

मुरली पहाड़ के ऊपर ईंट के भवन का भग्नावशेष है तथा उसके ऊपर मस्जिद बना हुआ है। पश्चिमी भाग स्थित शिलाखंडों पर उकेरी गई देवी–देवताओं की मूर्तियों तथा अभिलेखों में तेजी से क्षरण आ गई है। इसके साथ ही अजगैबीनाथ शिव मंदिर के पहाड़ के चारों तरफ करीब एक सौ देवी–देवताओं की मूर्तियों को उकेरा गया है। मुरली पहाड़ एवं अजगैबीनाथ मंदिर के शिलाखंडों पर उकेरी गई देवी–देवताओं की चित्रों एवं शिलालेखों के संरक्षण एवं बचाव हेतु समुचित ढंग से संरक्षित कराया जाना नितांत आवश्यक है ।

सुल्तानगंज के माननीय विधायक श्री ललित नारायण मण्डल धन्यवाद के पात्र हैं जिनके द्वारामुरली पहाड़ के धरोहरों के संरक्षण के लिए अभिरुचि ली गई है। बिहार संग्रहालय एवं पुरातत्व के निदेशक श्री दीपक आनंद (भा.पु.से.) के प्रति हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ जिनके द्वारा मुझे मुरली पहाड़ के निरीक्षण करने का दायित्व सौंपा गया है।

मुरली पहाड़ एवं अजगैबीनाथ प्रतिमाओं के अध्ययन में डॉ. उमेश चन्द्र द्विवेदी, पूर्व निदेशक, संग्रहालय, बिहार, डॉ. जलज कुमार तिवारी, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण एवं डॉ. एस. कृष्णमूर्ति, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण पुरालेख शाखा, मैसूर से सहयोग मिला है जिनके लिए मैं आभार प्रकट करता हूँ। इस पुरास्थल के सर्वेक्षण में मुझे अपनी पत्नी कल्पना कुमारी तथा मेरे सहयोगी मो॰ आमिर (गया) एवं अमिताभ मिश्र (भागलपुर) से भी मदद मिली है। उन्हें धन्यवाद। आदित्य पब्लिकेशन, पटना के फकीर मुहम्मद, राकेश कुमार गुप्ता एवं चंदन कुमार के कठिन परिश्रम से ही इतने कम समय में इस लघु पुस्तिका का प्रकाशन संभव हो सका । इसके लिए वे सभी धन्यवाद के पात्र हैं।

(डॉ. शिव कुमार मिश्र)
भागलपुर संग्रहालय, भागलपुर





































































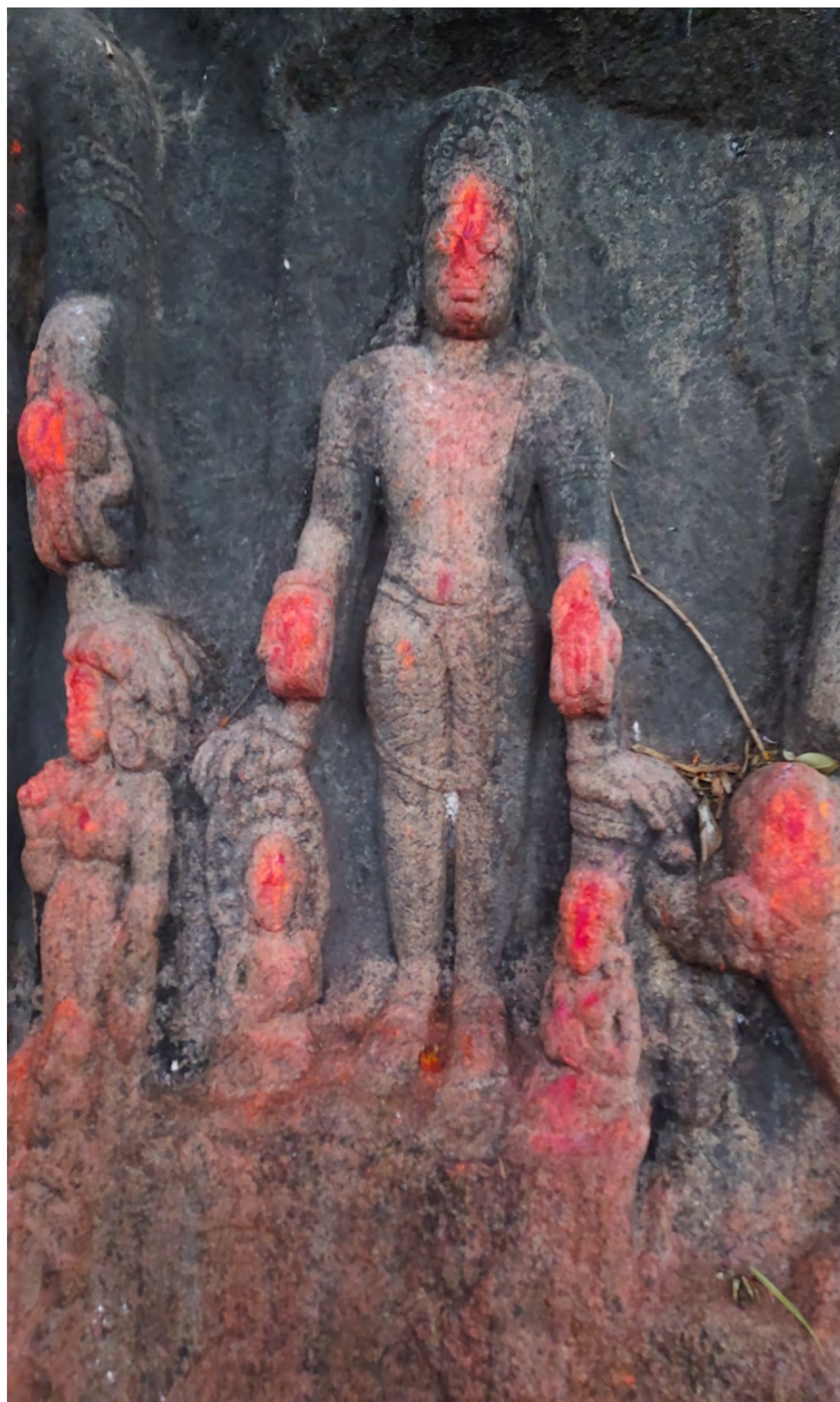




















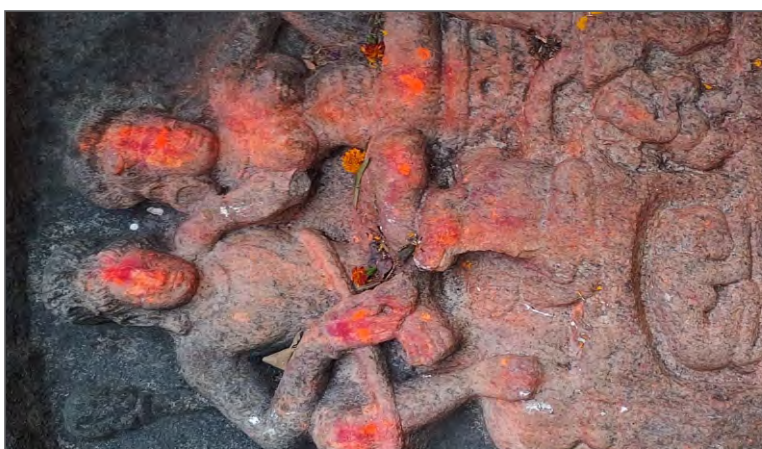


































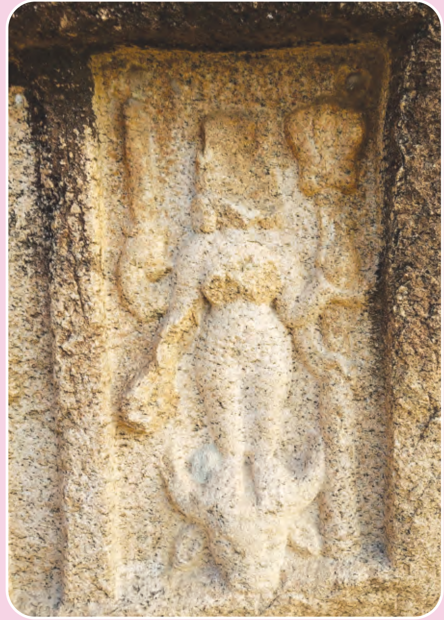




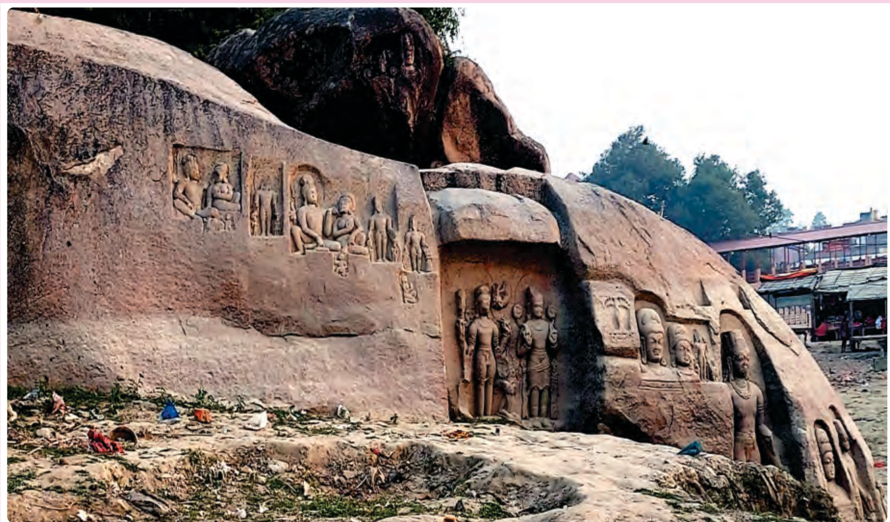












Published By: Bhagalpur Museum, Bhagalpur, Dept. of Art Culture And Youth (Directorate of Museum), Govt. of Bihar, 2023

Printed by: Aditya Publication #9576099416